

श्री जैन सत्य प्रकाश

विषय-दर्शन

स्वामी इमानन्द अने जैनधर्म :	मुनिराज श्री विद्याविजय	: १५५
प्रासंगिक कथन :	तंत्री	१५८
द्विगंथरोनी उत्पत्ति :	आचार्य महाराज श्री सागरानंदसुरि	: १५९
संतपालनी विचारणा :	आचार्य महाराज श्री विजयलक्ष्मिसुरि	: १६३
समीक्षाप्रभाविष्करण :	उपाध्याय श्री लावण्यविजय	: १६८
जिन-मंदिर :	मुनिराज श्री दर्शनविजय	: १७३
मथुराकल्प :	मुनिराज श्री न्यायविजय	: १७८
चित्र-परिचय	मुनिराज श्री ज्ञानविजय	: १८२
श्री स्तंभन पार्श्वनाथ :	उपाध्याय श्री पद्मविजय गरी	: १९३
सरस्वती-पूजा अने जैनो :	श्री सारालाक्ष मण्डिता नवाग	: १८८
जैन ग्रंथकारो अरे करेवो नाम निर्देश :	प्रो. डीरावाल रसिकदास डापडीया जे. जे.	: १९३

प्रकाशक

श्री जैनधर्म सत्यप्रकाशक समिति

जेशिंगसाधनी वाडी, धीकांटा

अमदावाद (गुजरात).

लवाणम—

स्थानिक १-८-०, अहारगोमंतुं २-०-०